CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 28 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, शनिवार, 3 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

सभी चुनौतियों को भारत का उत्तर है विक्रांत

कोच्चि ■ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आईएनएस विक्रांत को किया देश को समर्पित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत शुक्रवार को देश को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नए नौसेना ध्वज (निशान) का अनावरण भी किया जो औपनिवेशिक अतीत को पीछे छोड़ते हुए भारत की सामुद्रिक विरासत का अब प्रतीक बना। पीएम ने कहा-विक्रांत सभी चुनौतियों को भारत का उत्तर है। विक्रांत पंच प्रणों की ऊर्जा का वाहक है। भारत ने गुलामी के बोझ को सीने से उतार दिया है। विक्रांत पर महिला शक्ति भी तैनात होगी। हिंद प्रशांत और हिंद महासागर देश की बड़ी रक्षा प्राथमिकता।विश्व को सशक्त भारत की जरूरत है। विक्रांत भारत के परिश्रम और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विक्रांत आजादी के अमृत काल का प्रतीक है। विक्रांत स्वदेशी सामर्थ्य और कौशल का प्रतीक है। केंद्रीय रक्षा मंत्री विक्रांत से भारत के सुरक्षा तथा आर्थिक हितों की रक्षा होगी। विक्रांत आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

विक्रांत भारत में बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा युद्धपोत है और इस के निर्माण पर 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत आई है। यह भारतीय नौसेना के लिए देश में डिजाइन और निर्मित पहला विमानवाहक पोत भी है। इससे नौसेना के पास दो विमानवाहक पोत हो गए हैं और उसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गई है। इस विमानवाहक पोत के निर्माण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो विमानवाहक पोत बनाने में सक्षम है। इस पोत में इस्तेमाल 76 प्रतिशत साजो सामान घरेलू कम्पनियों द्वारा बनाया गया है।

ये हैं पोत की खासियत

- 262 मीटर लंबा और 62 मीटर चौड़ा विक्रांत 43,000 टन की भारवाहक क्षमता वाला है, जो एक बार 7500 समुद्री मील की दूरी तय करने में सक्षम है। इसकी अधिकतम गति 28 समुद्री मील प्रति घंटा है। जहाज में लगभग 2200 कंपार्टमेंट हैं और इसमें 1600 नौसैनिकों को तैनात किया जा सकता है।
- इसमें नवीनतम चिकित्सा उपकरण सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक मेडिकल परिसर है जिसमें मॉड्यूलर ऑपेरशन थिएटर, आपातकालीन मॉड्यूलर ऑपेरशन थिएटर, फिजियोथेरेपी क्लिनिक, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, सीटी स्कैनर, एक्स-रे मशीन, आइसोलेशन वार्ड और टेलीमेडिसिन सुविधाएं आदि शामिल हैं।
- इससे स्वदेशी उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) (नौसेना) के अलावा मिग-29 के लड़ाकू विमान, कामोव-31, एमएच-60आर बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों सहित 30 से अधिक विमानों का संचालन किया जा सकता है।
- पोत के गलियारों और लॉबी की लंबाई 12 किमी की सैर के बराबर है। पोत पर करीब 700 सीढ़ियां लगी हैं। यह पोत पांच स्विमिंग पूल की लंबाई से बड़ा है।

एक्सप्रेस न्यूज

आयुर्वेद छात्रों को शोध के लिए मिलेंगे 50 हजार

नई दिल्ली, (एजेंसी) केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहन देने के लिए को आयुर्वेद स्नातक के छात्रों को 50 हजार रुपए की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। सीसीआरएएस ने शुक्रवार को यहां कहा कि मान्यता प्राप्त संस्थान में अध्ययन कर रहे आयुर्वेद (बीएएमएस) के छात्रों को यह वित्तीय मदद उपलब्ध होगी।आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव प्रमोद कुमार पाठक ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग के अध्यक्ष वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी और प्रो. संजीव शर्मा की उपस्थिति में छात्रवृत्ति योजना और संबंधित पोर्टल का लोकार्पण भुवनेश्वर किया। परिषद रोमानिया, जर्मनी, इजराइल, अमेरिका, कनाडा और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख शोध संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है 11 देशों में आयुर्वेद पीठ की स्थापना की है।

गूल विस्फोट में एक को दबोचा, दो ग्रेनेड जब्त

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले की गूल पुलिस चौकी पर दो अगस्त को हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने शुक्रवार को जब्बार के जंगलों से दो ग्रेनेड बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले के मुख्य साजिशकर्ता रियासी जिले के ठकराकोट निवासी शौकत अली लाइवाल के खुलासे पर गूल क्षेत्र के जब्बार जंगलों से दो ग्रेनेड बरामद किए गए। पुलिस ने कहा कि निकट भविष्य में सुरक्षा बलों पर हमले के इरादे से ग्रेनेड को जंगलों में छुपाया गया था। उन्होंने कहा कि शौकत अली को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान शौकत ने आपराधिक साजिश रचकर मुख्य साजिशकर्ता होने की बात कबूल की और सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड हमला करने का खुलासा किया और बताया कि उसने जब्बार वन क्षेत्र में दो जिंदा हथगोले छिपाए थे।

भोपाल में 'सीरियल किलर' गिरफ्तार

प्रसिद्धि तथा पैसे कमाने के लिए करता था हत्याएं

सागर, भोपाल में पांच लोगों की हत्या का है आरोपी

सागर, भोपाल सहित पुणे में भी कर चुका वारदातें

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

पुलिस के लिए चुनौती बना चौकीदारों का कातिल आखिरकार भोपाल से गिरफ्तार हो गया। गिरफ्तार होने से पूर्व आरोपी ने भोपाल में भी एक चौकीदार की हत्या कर दी थी। शुक्रवार को पुलिस आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार कर सागर लेकर आई। आरोपी का नाम शिवप्रसाद (18) पिता नन्हे वीर धुर्वे है, जो कि केसली के ग्राम केकरा का निवासी है। केजीएफ फिल्म से प्रेरित हो आरोपी द्वारा पिछले चार दिनों से सागर में चौकीदारों को निशाना बनाया जा रहा था।

लगातार हो रहीं चौकीदारों की हत्या को देखते हुए गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मामले में संज्ञान लिया था। शुक्रवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। आईजी श्री अनुराग ने बताया कि अब तक की पूछताछ में आरोपी द्वारा हत्या करने का उद्देश्य नकारात्मक ख्याति प्राप्त करने के लिए एवं धनसंग्रहण के लिए और अकेले आदमी को आसानी से निशाना बनाया जाकर उससे मोबाइल और रुपए ऐंठने के लिए हत्या करना पाया गया है। **(पेज 4 भी देखें)**

ना शर्म, ना पछतावा

आरोपी शिवप्रसाद धुर्वे केसली निवासी (उम्र 18 साल 8 महीने)

गुरुवार की रात भोपाल में की चौथी हत्या

आरोपी शिवप्रसाद धुर्वे ने चौथी हत्या भोपाल में की है। आरोपी शिव ने भोपाल में गुरुवार की रात चौकीदार सोनू वर्मा की हत्या की थी। ईदगाह इलाके में रहने वाला सोनू खजूरी सड़क इलाके में एक मार्बल की दुकान में काम करता था। आरोपी ने मार्बल के टुकड़ों से उसका सिर कुचल कर उसकी हत्या कर दी। सोनू की हत्या रात को करीब डेढ़ बजे की गई, जब वह दुकान में सो रहा था।

मोबाइल लोकेशन की मदद से दबोचा गया

सागर में गार्ड मंगल अहिरवार की हत्या के बाद 30 अगस्त को आरोपी शिवप्रसाद ट्रेन से भोपाल आ गया। वह भोपाल में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के आसपास घूमता रहा। उसने सागर में आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज में गार्ड शंभू दयाल को मारकर उनका मोबाइल अपने पास रखा था। आरोपी ने गुरुवार रात 11 बजे मोबाइल चालू किया। सागर पुलिस को लोकेशन मिली। तुरंत टीम भोपाल के लिए रवाना हुई। रात करीब 3.27 बजे शिव ने फ्रिं मोबाइल चालू किया। पुलिस को उसकी लोकशन लालघाटी इलाके में पता चली। पुलिस ने उसे सुबह पांच बजे दबोचा। भोपाल से पुलिस उसे लेकर करीब 40 किमी दूर पहुंची ही थी कि उसने पुलिस को बताया कि थोड़ी देर पहले ही उसने भोपाल में मार्बल दुकान में एक गार्ड की हत्या कर दी है।

मुख्यमंत्री ने सागर पुलिस को दी बधाई

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के सागर, भोपाल में पांच लोगों की हत्या के आरोपी 'सीरियल किलर' की गिरफ्तारी के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर पुलिस को बधाई दी है। श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि सागर पुलिस ने इस खतरनाक अपराधी को पकड़कर सुरक्षित मध्यप्रदेश के संकल्प की सिद्धि की दिशा में एक और सफलता प्राप्त की है। इस सफलता के लिए सागर पुलिस का अभिनंदन करता हूं और बधाई देता हूं। वहीं गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सागर पुलिस की सफलता पर बधाई दी।

माफियाओं की जमीनों पर होगी गरीबों की सुराज कॉलोनी

मुख्यमंत्री चौहान ने पथ विक्रेताओं से किया संवाद

- सभी पथ विक्रेताओं को दिया जाएगा संबल योजना का लाभ बनेंगे उनके संबल कार्ड
- स्वावलम्बी, आत्मनिर्भर प्रदेश की अवधारणा को मूर्त रूप दे रही है पथ विक्रेता योजना

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा है कि मप्र शासन का संकल्प है कि लोगों के जीवन में परिवर्तन लाकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई जाए। इस दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसका लाभ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी ही एक पथ विक्रेता योजना है, जो स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर प्रदेश की अवधारणा को मूर्त रूप दे रही है और हितग्राहियों के जीवन को खुशहाल बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से एक विशेष अभियान शुरू किया जायेगा।

इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिले। हितग्राहियों को रोजी-रोटी, उनके बच्चों के शिक्षण, स्वास्थ्य आदि का सीधा लाभ मिल सके, इसके लिये प्रदेश के हर जिले के प्रत्येक वार्ड और पंचायत में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान शुक्रवार को यहां इंदौर में मुख्यमंत्री की बात पथ विक्रेताओं के साथ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्ण पारिवारिक वातावरण में पथ विक्रेताओं के साथ रूबरू संवाद किया। उनके अनुभव सुने और उनकी समस्याओं को जाना।

गरीब सम्मान के साथ कर सकें व्यवसाय- मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मप्र सरकार गरीबों की सरकार है। लोगों की दिनचर्या अगर सामान्य रूप से चल पा रही है तो उसमें सबसे बड़ा योगदान यहां के पथ विक्रेताओं का है। वे अलग-अलग, छोटे-बड़े काम करके प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे सभी पथ विक्रेताओं को संबल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना शुरू की गई है। पूरे प्रदेश में भू-माफियाओं पर कार्रवाई का सिलसिला सतत रूप से जारी है। माफियाओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई के तहत पूरे प्रदेश में कुल 15 हजार करोड़ रुपए मूल्य की 21 हजार एकड़ जमीन मुक्त कराई गई है। इस जमीन पर सुराज कॉलोनी का निर्माण किया जाएगा, जहां गरीबों के लिए मकान बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंदौर जिले में अभी तक 94,000 लोगों को उक्त योजनाओं का लाभ मिल चुका है। **(शेष पेज 4 पर)**

कार्यक्रम में विशेष

- इंदौर में सड़कों, फुटपाथ आदि स्थानों पर रोजमर्रा की जरूरतों का सामान बेचने वाले हितग्राही बने खास।
- परिवार सहित ससम्मान आमंत्रित कर मुख्यमंत्री चौहान ने साथ बैठा कर उनके हालचाल जाने।
- परिवार सहित गोलमेज पर बैठाया मंत्री, सांसद, महापौर, विधायक से लेकर पार्षद और सरपंच तक उनके साथ बैठे।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।
- स्वागत से अभिभूत हुए नाशता कराया गया।
- फुटकर व्यवसायियों ने अपने अनुभव मुख्यमंत्री को बताए। सीएम से चर्चा कर हितग्राहियों के साथ ही सैकड़ों हितग्राही सम्मान से कृतज्ञ हुए और सीएम के प्रयासों की सराहना की।

46 नगरीय निकायों में 27 को पड़ेंगे वोट

■ *राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित किया चुनाव कार्यक्रम* ■ *30 सितंबर को होगी मतगणना*

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश के 46 नगरीय निकायों में अब चुनाव का ऐलान कर दिया गया है। इन निकायों के लिए 27 सितंबर को मतदान होगा, वहीं मतगणना 30 सितंबर को होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को 46 नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022 का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया है। ये सभी निकाय प्रदेश के 18 जिलों में है। आयोग द्वारा कार्यक्रम घोषित करते ही संबंधित निकाय क्षेत्रों में चुनाव आचरण संहिता प्रभावी हो गई है। इन निकायों का कार्यकाल पूरा नहीं होने के कारण जून में चुनाव नहीं कराए गए थे। तब 413 में से केवल 347 निकायों के लिए ही चुनाव हुए थे। राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह के मुताबिक निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का कार्य पांच सितंबर, को सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 12 सितंबर दोपहर तीन बजे तक है। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 13 सितंबर को की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 15 सितंबर है। इसी दिन अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा। मतदान 27 सितंबर को सुबह सात से शाम पांच बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 30 सितंबर को सुबह नौ बजे से होगी।

यहां होगा मतदान

जिला सागर की नप कर्रापुर, नपा परिषद खुरई, गढ़ाकोटा, सिंगरौली की नप सरई, बरगवां, शहडोल की नप बुढ़ार, जयसिंह नगर, नपा परिषद शहडोल, अनूपपुर की नप बरगवां अमलाई, नपा परिषद कोतमा, बिजुरी, उमरिया की नपा परिषद पाली, डिंडोरी की नप डिंडोरी, शहपुरा, मंडला की नप बम्हनीबंजर, बिछिया, निवास, नप मण्डला, नैनपुर, बालाघाट की नप बैहर, नपा परिषद मलाजखंड, सिवनी की नप लखनादौन, छिंदवाड़ा की नप मोहगांव हवेली, हर्रई, नपा परिषद पांढुर्ना, सौंसर, दमुआ, जुन्नारदेव, बैतूल की नप चिचोली, आठनेर, नपा परिषद सारणी, रायसेन की नप देवरी, खण्डवा की नगर परिषद छनेरा, पुनासा, बुरहानपुर की नप नेपानगर, खरगोन की नप मंडलेश्वर, महेश्वर, भीकनगांव, अलीराजपुर की नप चंद्रशेखर आजाद नगर, जोबट, नपा परिषद अलीराजपुर, झाबुआ की नप थांदला, पेटलावद, रानापुर, नपा परिषद झाबुआ और जिला रतलाम की नप सैलाना में निर्वाचन होगा।

आर्थिक मोर्चे पर ब्रिटेन से आगे निकला भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत को आर्थिक मोर्चे पर शुक्रवार को एक सुखद खबर मिली। ब्रिटेन को पछाड़कर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसी के साथ ब्रिटेन फिसलकर छठवें स्थान पर आ गया है। बता दें कि एक दशक पहले भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 11वें क्रम पर थे, जबकि ब्रिटेन पांचवें नंबर पर था।

दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

नई सरकार के लिए झटका: यह ब्रिटेन की नई सरकार के लिए बड़ा झटका है। बता दें कि ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के सदस्य बोरिस जॉनसन के उत?तराधिकारी को चुनेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि नई सरकार में महंगाई और सुस्त इकोनॉमी सबसे बड़ी चुनौती होगी।

अलका याज्ञनिक को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान

भोपाल, (आरएनएन)। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग की ओर से उत्कृष्ट स्वर साधना के लिए दिया जाने वाला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान वर्ष 2013-14 सुविख्यात पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक को दिया जाना था, लेकिन किसी कारणवश वे सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं हो सकीं थीं। इसलिए संस्कृति विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि यह सम्मान सुश्री याज्ञनिक को मुंबई में उनके निज निवास पर भेंट कर प्रदान किया जाए। इसके लिए शुक्रवार को संस्कृति विभाग की उपसंचालक वंदना पांडे और कार्यक्रम समन्वयक रीतेश धौलपुरिया ने उनके मुंबई में अंधेरी स्थित निज निवास पर पहुंचकर राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान वर्ष 2013-14 से सुश्री याज्ञनिक को विभूषित किया। सम्मान प्राप्त कर उन्होंने बेहद प्रसन्नता जाहिर करते हुए मप्र संस्कृति विभाग को धन्यवाद दिया और आभार माना।

जर्मनी | **पांच हजार से ज्यादा पायलट हड़ताल पर, दिल्ली में फंसे 700 से ज्यादा यात्री**

लुफ्थांसा की 800 फ्लाइट कैंसल

बर्लिन/नई दिल्ली, (एजेंसी) जर्मनी में लुफ्थांसा एयरलाइंस के पाइलेट्स ने हड़ताल कर दी, शुक्रवार को लुफ्थांसा एयरलाइंस की 800 से अधिक उड़ाने रद्द करनी पड़ीं। पायलटों की हड़ताल ने जर्मनी का पूरा एयरलाइंस सिस्टम हिला कर रख दिया है। इधर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 700 से ज्यादा यात्री फंसे हुए हैं। जब उन्हें फ्लाइट कैंसल होने की जानकारी हुई तो यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। दिल्ली से दो फ्लाइट कैंसल लुफ्थांसा की दो फ्लाइट को दिल्ली से उडान भरना था, लेकिन पाइलटों की हड़ताल से यहां से भी जाने वाली फ्लाइट्स कैंसल हो गईं।

400 यात्रियों को म्यूनिख और फ्रैंकफर्ट जाना था और करीब 200 छात्रों को एग्जाम के लिए विदेश जाना था। जब पैसेंजर्स अपने वक्त पर एयरपोर्ट गए तो उन्हें मालूम हुआ की फ्लाइट कैंसल हो गई। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट में प्रदर्शन कर रहे लोगों में से कई छात्र भी थे, जिनकी अगले दिन परीक्षा थी। अगर वह समय पर नहीं पहुंच पाते तो उनका भविष्य बर्बाद हो सकता था। जिसके बाद लुफ्थांसा ने दूसरी एयरलाइन के विमान की मदद से 200 लोगों को उनकी डेस्टिनेशन में भेजा है। वहीं करीब 500 यात्री अभी भी एयरपोर्ट में फंसे हुए हैं।

बता दें कि जर्मनी बेस्ड एयरलाइन कंपनी लुफ्थांसा के 5000 से ज्यादा पायलट हड़ताल में हैं। वह 5.5 फीसदी सैलरी हाइक और महंगाई भत्ते की डिमांड कर रहे हैं।

मणिपुर में जेडीयू के पांच विधायक बीजेपी में गए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मणिपुर में जेडीयू के सात में से पांच विधायक शुक्रवार को बीजेपी में शामिल हो गए ।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मणिपुर में जेडीयू के विधायक ने पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का फैसला बीते दिनों बिहार में हुए राजनीतिक घटनाक्रम को ध्यान में रखकर किया है। सूत्रों के अनुसार ये विधायक बिहार में पार्टी के एनडीए गठबंधन से बाहर आने के फैसले से नाराज चल रहे थे। बता दें कि नीतीश कुमार की जद(यू) ने कुछ दिन पहले ही मणिपुर में भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने की बात कही थी। हालांकि बीजेपी ने कहा था कि इससे बीरेन सिंह सरकार को कोई खतरा नहीं है । वर्तमान में, 60 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 55 विधायकों का समर्थन प्राप्त है । इसमें जदयू के सात सदस्य शामिल हैं । यहां अगर पार्टी समर्थन वापस ले भी लेती है, तो यह सत्तारूढ़ गठबंधन की संख्या 48 होगी, जो बहुमत का आंकड़ा 31 से काफी ऊपर है ।

दखल

साम्यवादी सत्ता का अनूठा सत्ताधीश...!

सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव को एक ऐसे नेता के तौर पर याद किया जाएगा जिन्होंने बिना खून बहाए शीत युद्ध को खत्म किया था। हालांकि कई लोगों का मानना है कि शीत युद्ध अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी इसमें बाकी दुनिया का कोई लेना-देना नहीं था। वहीं गोर्बाचेव को उनके ही देश रूस में अच्छा नेता नहीं माना जाता है क्योंकि वो सोवियत संघ को नहीं बचा पाए।

वह 1991 की क्रिसमस की रात थी। जब पूर दुनिया जगमगा रही थी और उस समय सबसे शक्तिशाली नेताओं में शुमार मिखाइल गोर्बाचेव रूस की सरकारी टीवी पर आए और यह कह कर दुनिया को अचंभित कर दिया कि सोवियत संघ के राष्ट्रपति के तौर पर मैं अपना काम बंद कर रहा हूं। सारी दुनिया को महसूस हुआ कि कम्युनिष्ट शासन खत्म हो गया है और मानव समुदाय की सबसे बड़ी त्रासदी शीत युद्ध समाप्त हो गया। उसी रात गोर्बाचेव ने राष्ट्रपति के पद से इस्तीफे का ऐलान करते हुए उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए,जिसके तहत सोवियत संघ टूट कर बिखर गया। क्रेमलिन में सोवियत झंडे को आखिरी बार झुकाया गया था। उसी लम्हे दुनिया के सबसे बड़े कम्युनिस्ट देश के विघटन के साथ 15 स्वतंत्र गणराज्यों ताजिकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान, यूक्रेन, आर्मीनिया, अजरबैजान, बेलारूस, इस्टोनिया, जॉर्जिया, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, लातिविया, लिथुआनिया, उज़्बेकिस्तान और मालदोवा का उदय हुआ।

कुछ ही पलों में दुनिया की राजनीति, कूटनीति और भूगोल बदल गया। 1917 में रूस की साम्यवादी क्रांति से जन्मे सोवियत संघ में कम से कम 100 राष्ट्रीयताओं के लोग रहते थे और उनके पास पृथ्वी का छठा हिस्सा था। लेकिन 25 दिसंबर 1991 को सब कुछ बदल गया था और क्रेमिलन में कभी न टूटने वाली खामोशी पसर गई थी। साम्यवादी सत्ता का यह अनूठा सत्ताधीश मिखाइल गोर्बाचेव अब इस दुनिया से अलविदा कह गया है जिसे रूस में बिलकुल अच्छा नहीं माना जाता है। खासकर उन्हें महान सोवियत संघ के हत्यारें के रूप में देखा जाता है। हालांकि पश्चिम की दुनिया उन्हें एक इसे आजाद ख्यालों वाले शख्स के रूप में याद करती है जिसने साम्यवादी कैद से आजाद कर करोड़ों लोगों को लिखना-बोलना सिखाया। पश्चिम में कई लोग मिखाइल गोर्बाचेव को हीरो की तरह देखते हैं।

उन्हें पश्चिमी यूरोप को आजादी और जर्मनी के एकीकरण को मंजूरी देने वाले शख्स के तौर पर देखा जाता है। एक ऐसा नेता जिसने तोप का मुंह बंद कर जर्मनी का विलय होने दिया था,एक ऐसा शख्स जो हथियारों के विनाशकारी प्रभाव को रोकने के लिए प्रतिबद्ध था, एक ऐसा राष्ट्राध्यक्ष जो जनता को आजादी से जीने देना चाहता था और इसीलिए उसने साम्यवादी के स्थापित नियमों को तोड़ने से कोई गुरेज नहीं किया। साम्यवादी शासन के बारे में यह माना जाता है कि यहां शासक और साम्यवाद के हित सर्वोपरि होते है। उन्हें किसी सांविधानिक, प्रथागत या नैतिक प्रतिबंधों में नहीं बांधा जा सकता। जनता को वे बस वे साधन समझते है तथा प्रशासन में उनकी कोई भागीदारी नहीं होती। इस विचारधारा में राज्य की प्रति नागरिकों का आत्मसमर्पण होता है और जो इसका विरोध करने की कोशिश करता है उसे सरेआम कुचल दिया जाता है। मिखाइल गोर्बाचेव ने सोवियत संघ की जनता को स्टालिन की उस सोच से मुक्ति दिलाई थी जहां जीने का मतलब ही शासक से प्यार करना होता था। गोर्बाचेव भी उसी सिस्टम और देश का हिस्सा था जहां से स्टालिन निकला था, दुनिया का क्रूरतम सनकी तानाशाह। जार की तानाशाही से 1917 में अलग होकर सोवियत संघ की लोकतंत्र बनने की कोशिशों को खत्म कर तानाशाही की स्थापना हुई,जिसमें सबसे प्रमुख तानाशाह हुए स्टालिन। यहां सारे फैसले कम्युनिस्ट पार्टी करती थी।

देश का प्रमुख चुनने से लेकर हर फैसला पार्टी की एक छोटी सी समिति करती थी, जिसे पोलित ब्यूरो कहा जाता था। स्टालिन ने शासन के साथ ही लोगों की सोच, विचारों और उनके जीवन पर नियंत्रण करने की क्रूर प्रणाली अपनाई। विरोधियों को गुलग भेजा जाने लगा। गुलग यानि ऐसा यातनाग्रह जहां लोगों को क्रूरता से मारा जाता था, लाखों लोग गुलग में मारे दिए गए। स्टालिन यह कहते थे कि उनका मकसद सोवियत संघ को मजबूत करना है और जो इसके बीच में आएगा उसे मार दिया जाएगा। स्टालिन ने अपनी योजनाओं को बहुत सख्ती से लागू किया। कारखानों को बड़े-बड़े टारगेट दिए जाते थे। कई बार तो ये टारगेट पूरे कर पाना नामुमकिन सा लगता था। जो लोग लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहते थे, उन्हें देश का दुश्मन कह कर जेल में डाल दिया जाता था। स्टालिन ने खेती का आधुनिकीकरण शुरू किया। उन्होंने तमाम जमीन का राष्ट्रीयकरण कर दिया। बहुत से किसानों ने इसका विरोध किया।

किसानों ने अपने जानवर मारकर और अनाज छुपाकर इसका विरोध किया। इसकी वजह से करीब पचास लाख लोग भुखमरी से मर गए। इससे नाराज स्टालिन ने जमाखोरी करने वाले और उनकी नीतियों का विरोध करने वाले किसानों को मरवाना शुरू कर दिया। दसियों लाख लोग मारे गए। जोसेफ स्टालिन खुद को देशभक्त नेता के तौर पर प्रचारित करके कड़े नियमों को देश की जरूरत बताता था। उसे विरोध की आवाज बिल्कुल पसंद नहीं थी और इसलिए उसने साम्यवादी पार्टी की सेंट्रल कमेटी के 139 में से 93 लोगों को मरवा दिया था। यहीं नहीं उसने सेना के 103 जनरल और एडमिरल में से 81 को मरवा दिया था। स्टालिन सत्ता में बने रहने के लिए किसी हद तक चला जाता था। उसकी क्रूरता और पागलपन की यह पराकाष्ठा थी कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान स्टालिन के बेटे याकोव को जर्मन सेना ने गिरफ्तार कर लिया। जब जर्मनी ने बंदियों की अदला-बदली में याकोव को रूस को सौंपने का प्रस्ताव किया,तो स्टालिन ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया। जर्मनी के युद्धबंदी कैंप में ही स्टालिन के बेटे याकोव की 1943 में मौत हो गई थी।

मिखाइल गोर्बाचेव भी पोलित ब्यूरो से आगे बढ़कर साम्यवादी सत्ता के शीर्ष पर बैठे थे। लेकिन उनकी सोच बिल्कुल अलहदा थी, या कुछ इस तरह समझ लीजिए कि उन्होंने सत्ता में रहकर खुद की कब्र खोदना शुरू किया। वे स्टालिन के दिए गये घावों को भरना चाहते थे। उन्होंने अपने देश में प्रमुख रूप से दो नीतियां लागू की। पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त। पेरेस्त्रोइका सरकार के नियंत्रण को कम करती थी और और लोगों को बोलने की आजादी दी जिसमें जनता द्वारा सरकार की आलोचना करना शामिल था। ग्लासनोस्त, सोवियत अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के प्रयास में गोर्बाचेव का कार्यक्रम था। उन्होंने मजदूरों को हड़ताल करने का अधिकार दिया ताकि वो बेहतर वेतन और काम के हालात की मांग करें। इन नीतियों के लागू होने से लोग खुलकर अपनी समस्याओं को बताने लगे, उनमें अब निर्वासन या जेल में डाल देने का डर नहीं था।

साम्यवादी शासन की क्रूरता झेल रहे सोवियत संघ की जनता को आजादी का अहसास कराने वाले गोर्बाचेव के लिए सोवियत संघ का विघटन होते देखना असहनीय था। 25 दिसम्बर 1991 की रात को उनके लिए बेहद भावुक क्षण थे। उन्होंने एक-दो पैग शराब पी। उनके सहयोगी अलेक्जेंडर याकोवलेव ने उन्हें अपने कमरे में रोता हुआ पाया। गोर्बाचेव ने बाकी जीवन भी अंधेरे में बिताया। वे सोवियत संघ की जनता को आजादी की कीमत समझा नहीं पाए और न ही बाद में उन्होंने इसकी कोशिश की। गोर्बाचेव के आलोचक पुतिन अब रूस की सत्ता में है और वे इस देश को स्टालिन के युग में उस युग में ले जाने को कृतसंकल्पित नजर आते हैं जिससे मुक्ति दिलाने के लिए गोर्बाचेव ने साम्यवाद का खलनायक बनना भी पसंद किया था।

■ **डॉ.ब्रह्मदीप अलूने**
(वरिष्ठ पत्रकार)

राज-विचार

नौसेना ने मिटाया गुलामी का निशान

विक्रांत के आने से भारत उन देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास खुद एयरक्राफ्ट कैरियर डिजाइन करने और उसे बनाने की क्षमता है। विक्रांत 20 मिग-29 फाइटर जेट्स ले जाने में सक्षम है। सबसे बड़ी बात नौसेना औपनिवेशिक मानसिकता से आजाद हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देश को समर्पित किया। कोचीन शिपयार्ड पर तैयार किए गए इस विमान वाहक पोत के निर्माण में 20 हजार करोड़ रुपए की लागत आई है। इस पोत के आधिकारिक तौर पर शामिल होने से नौसेना की ताकत दोगुनी हो जाएगी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि पिछले समय में भारत-प्रशांत क्षेत्र और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को लंबे समय तक नजरंदाज किया जाता रहा। लेकिन, आज ये क्षेत्र हमारे लिए देश की बड़ी रक्षा प्राथमिकता है। आईएनएस विक्रांत के साथ ही भारत ने औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने की ओर भी कदम बढ़ाया है। नौसेना ने अपने जिस नए प्रतीक का अनावरण किया है, उसमें भारतीय नौसेना के पितामह माने जाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा के अष्टकोणीय डिजाइन को भी जगह दी गई है। ये आठ कोण नौसेना की आठ दिशाओं में सजगता, सक्रियता दिखाते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस नौसेना का गठन किया था वह अपने समय की अद्वितीय नौसेना थी। इसी नौसेना के कारण मराठों के दुश्मन उनके अहम ठिकानों पर कब्जा नहीं कर पाए। नए निशान पर भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य सम नो वरुण: अंकित है। देश जब आजाद हुआ तो भारतीय रक्षा बलों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक झंडे और बैज को जारी रखा। 26 जनवरी, 1950 को इसके पैटर्न में बदलाव किया गया था। नौसेना के ध्वज को भी बदल दिया गया था, लेकिन ध्वज में एकमात्र अंतर यह किया गया था कि यूनियन जैक की जगह तिरंगा लगाया गया था। जॉर्ज क्रॉस को बरकरार रखा गया था। नौसेना के ध्वज में कई बदलाव हुए, लेकिन रेड क्रॉस को नहीं हटाया गया। एक बदलाव 2001 में किया गया था। हालांकि, उस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया था।

2004 में एक और बदलाव किया गया था, लेकिन इस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया। 2014 में देवनागरी लिपि में अशोक चिन्ह के नीचे ध्वज पर सत्यमेव जयते शब्द शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने नए ध्वज का अनावरण किया, जिसके ऊपरी कैंटन पर राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय प्रतीक के साथ नीला अष्टकोणीय आकार भी है। यह नौसेना के आदर्श वाक्य के साथ ढाल पर लगाया जाता है। भारत के पास अब ऐसा सबसे बड़ा स्वदेशी युद्धपोत है, जो 20 मिग-29 फाइटर जेट्स ले जाने में सक्षम है। इसकी लागत 20 हजार करोड़ रुपए है। 1971 की जंग में आईएनएस विक्रांत ने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चिटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह किया था। 25 साल पहले इसे रिटायर कर दिया गया था। 1999 की कारगिल जंग के बाद हमें स्वदेशी एयरक्राफ्ट की जरूरत पड़ी। 2009 में इसका निर्माण शुरू हुआ। 500 कंपनियां जुटीं और इसे पूरा कर दिखाया।

खतरा बनता नशे का धंधा

किसी समाज और देश को भीतर से खोखला करना हो तो उसकी युवाशक्ति को नशे के गर्त में धकेलना काफी है। हाल के वर्षों में देश के अलग-अलग हिस्सों में नशीले पदार्थों की बरामदगी, जब्ती और मादक पदार्थों की आपूर्ति के संजाल के खुलासों पर नजर दौड़ाई जाए, तो कह सकते हैं कि नशे की गिरफ्त में जाती हमारी युवा पीढ़ी ऐसे ही संकट से दो-चार है।

मामला सिर्फ यह नहीं है कि चौकसी बरते जाने के कारण देश में मादक पदार्थों की भारी-भरकम खेपें पकड़ी जा रही हैं, बल्कि गंभीर पहलू यह भी है कि आखिर इस नेटवर्क में कौन लोग शामिल हैं, ये मादक पदार्थ कहां से आ रहे और कहां जा रहे हैं और इतनी भारी खपत हमारे देश के किन इलाकों व समाज के किन वर्गों के बीच हो रही है। देश के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों की धरपकड़ में इधर काफी तेजी आई है। हाल में मुंबई की मादक द्रव्य निरोधी इकाई (एंटी नारकोटिक्स सेल) ने गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर में नशीले पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के 513 किलो नशीले पदार्थों की बरामदगी के साथ सात लोगों को पकड़ा था। इसी तीन अगस्त को मुंबई के नालासोपारा से चौदह अरब रुपए की नशीली दवा मेफेड्रान-एमडी पकड़ी गई थी। पता चला था कि ये खेपें उच्च वर्ग के युवाओं के दायरों में बेची जा रही हैं।

यही नहीं, मादक पदार्थों के इस गोरखधंधे में लगे लोग कारोबार के लिए सोशल मीडिया, अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि उनकी आसानी से धरपकड़ न हो सके। उल्लेखनीय यह भी है कि मादक पदार्थों की यह आपूर्ति देश के बाहर के कई ठिकानों से हो रही है। गुजरात में मुंद्रा और पीपीवव्वा जैसे निजी बंदरगाह देश में बाहर से नशीले पदार्थों के कारोबार के प्रवेश द्वार बन गए हैं। वर्ष 2017 से 2020 के दौरान गुजरात में ढाई लाख करोड़ रुपए की नशीली दवाएं पकड़ी जाना इस बात का संकेत है कि एजेंसियां इस गोरखधंधे में शामिल लोगों को पकड़ने में नाकाम रही हैं। वरना कैसे ये मादक पदार्थ हमारे यहां पहुंच रहे हैं? शायद इसकी एकमात्र वजह यही है कि इस कारोबार में लगे लोगों को कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण है और इसलिए पुलिस व एजेंसियां अवैध कारोबार में लगे दोषियों को पकड़ने में हिचकिचाती हैं।

नशीले पदार्थों की तस्करी में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ना और चिंता पैदा कर रहा है। यह एक किस्म का नार्को आतंकवाद है जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। वर्ष 2019 में अटारी-वाघा सीमा पर पांच सौ किलो से ज्यादा हेरोइन बरामद होने के दो साल बाद पिछले साल दिसंबर में गुजरात तट पर एक पाकिस्तानी नाव से 77 किलो हेरोइन की जब्ती से ऐसा संकेत मिला था कि सीमा पर सख्ती के चलते आतंकवादियों को हथियार व गोला-बारूद जुटाने में मदद के लिए नशे की खेपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके सबूत भी मिल चुके हैं कि बड़े पैमाने पर ड्रोनों का इस्तेमाल भारतीय क्षेत्रों में नशे की खेप पहुंचाने के लिए किया जाता रहा है। सितंबर, 2020 में गुजरात के कच्छ इलाके में मुंद्रा बंदरगाह पर करीब तीन हजार किलो हेरोइन की बरामदगी ने देश को चौंका दिया था। इससे पता चला था कि नशे की तस्करी के लिए समुद्री मार्गों का भी लगातार इस्तेमाल हो रहा है। भारत को यह खेप अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते भेजी गई थी, जो बताता है कि नई पीढ़ी को पथ भ्रष्ट करने के लिए किस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साजिशें हो रही हैं।

असल में नशीले पदार्थों की तस्करी में जिस तरह के तरीके अपनाए जाने लगे हैं, उनके कारण भी इनकी आपूर्ति को रोक पाना मुश्किल होता रहा है। जैसे कच्छ में मुंद्रा बंदरगाह पर तीन हजार किलो हेरोइन ईशनी टेल्कम पाउडर की शक्ल में बरामद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुल 21 हजार करोड़ रुपए कीमत वाली इस खेप को सबसे बड़ी बरामदगी बताया गया था। वर्ष 2021 में मादक पदार्थों की धरपकड़ के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन बताता है कि पहले पूरे साल जांच एजेंसियां नशे की जो खेपें पकड़ती थीं, उसमें कुल मिला कर सालाना बरामदगी ढाई हजार किलो तक रहती थी, लेकिन मुंद्रा पोर्ट पर एक ही बार में तीन हजार किलो हेरोइन का देश में आना बताता है कि देश में या तो इसकी खपत कई गुना बढ़ गई है या फिर भारत नशीले पदार्थों की आपूर्ति के किसी नेटवर्क का बड़ा केंद्र बन गया है। दोनों ही सूरतों में हालात चिंताजनक हैं।

यदि पकड़ी गई खेप विशुद्ध हेरोइन हुई तो देश में खपत को आधार बनाने से जुड़ा आकलन बताता है कि इसे 75 लाख युवाओं को नशे की चपेट में लाया जा सकता था। इस तरह तीन हजार किलो हेरोइन एक व्यक्ति द्वारा एक दिन में सेवन की जाने लायक 460 मिलीग्राम की न्यूनतम 75 लाख खुराकों में तब्दील हो सकती है। अगर यह हेरोइन मिलावटी हुई तो भी इससे 15 लाख लोगों के इस्तेमाल लायक खुराकों में बदला जा सकता है। ऐसी धरपकड़ अकेले गुजरात में नहीं हुई हैं, बल्कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, तमिलनाडु, राजस्थान और मध्यप्रदेश आदि राज्यों में मादक पदार्थ तस्करी के कई बड़े गिरोहों का का भंडाफोड़ हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि जांच एजेंसियों को इनकी तस्करी के रास्तों का अंदाजा है। वैसे तो सबसे ज्यादा मादक पदार्थ अफगानिस्तान से आते हैं। इसके अलावा नेपाल, पाकिस्तान, म्यांमा और बांग्लादेश के रास्ते से भी नशीले पदार्थ भारत आ रहे हैं। इससे यह अंदाजा सहज लगाया जा सकता है कि युवा बड़ी तेजी से नशे की जद में आ रहे हैं।

सरकार, पुलिस प्रशासन और जांच एजेंसियां अगर सख्ती करें और चुस्त निगरानी करें तो मादक पदार्थों के अवैध कारोबार को ध्वस्त करना कोई मुश्किल काम है। लेकिन इसमें तकनीकी चुनौतियां भारी पड़ रही हैं। देखा गया है कि कोरोना काल में नशीले पदार्थों का कारोबार इंटरनेट के अवैध स्वरूप डार्कनेट और समुद्री मार्ग के जरिए बढ़ा है। दावा है कि डार्कनेट बाजार में नब्बे प्रतिशत बिक्री कथित तौर पर नशीले पदार्थों से संबंधित है। संभवतः यह एक बड़ी वजह है जिसके कारण देश में हेरोइन की बरामदगी तीन गुना से अधिक हो गई है। तस्कर आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर कानून-व्यवस्था की आंख में धूल झोंकने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे में सरकारी एजेंसियों को साइबर मोर्चे पर अंकुश लगाने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा। हालांकि यह समस्या तब तक नहीं सुलझेगी, जब तक कि समाज इसकी रोकथाम में अपनी सक्रियता नहीं दिखाएगा।

नशीले पदार्थों का सेवन असल में सामाजिक समस्या भी है। गंभीर पक्ष यह है कि परंपरागत पारिवारिक ढांचों के बिखराव, स्वच्छंद जीवनशैली, सामाजिक अलगाव आदि के हावी होने और नैतिक मूल्यों के पतन के साथ समस्या और बढ़ती जा रही है। मादक पदार्थों का सेवन मानवता के प्रति अब सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि यह प्रवृत्ति अब केवल शहरी क्षेत्रों तक नहीं है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है।

■ **अभिषेक कुमार सिंह**
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

दो सितंबर को इतिहास बदलने वाला एक और काम हुआ है। आज भारत ने गुलामी के एक निशान को अपने सीने से उतार दिया है। आज से नौसेना को नया ध्वज मिला है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विक्रांत का लोकार्पण बड़ी कामयाबी है। निर्माण की शुरुआत 22 साल पहले हुई थी। पहले वाजपेयी, फिर मनमोहन और फिर मोदी सरकार। यह शासन की निरंतरता है।

जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

सत्यार्थ

मदद से पीछे न हटें

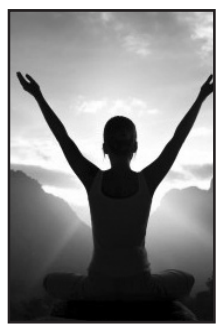

महाभारत के समय की घटना है। पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर राजसूय यज्ञ कर रहे थे। यज्ञ में श्रीकृष्ण को, कौरवों को बुलाया गया था। शिशुपाल वहां पहुंचा था। शिशुपाल श्रीकृष्ण को पसंद नहीं करता था और मौका मिलते ही उन्हें अपमानित करने लगता था। शिशुपाल की मां रिश्ते में श्रीकृष्ण की बुआ थीं। उन्होंने अपनी बुआं को वरदान दिया था कि वे शिशुपाल की 100 गलतियां क्षमा करेंगे। इस वरदान की वजह से श्रीकृष्ण शिशुपाल की अपमानजनक बातों का जवाब नहीं देते थे। राजसूय यज्ञ में श्रीकृष्ण का सम्मान देखकर शिशुपाल गुस्सा हो गया। वह भरी सभा में श्रीकृष्ण का अपमान करने लगा। पांडवों ने शिशुपाल को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह चुप ही नहीं हो रहा था। श्रीकृष्ण मौन थे और उसकी गलतियां गिन रहे थे। जैसे ही शिशुपाल की सौ गलतियां पूरी हो गईं, श्रीकृष्ण ने उसे अंतिम अवसर दिया और कहा कि अब एक भी गलती मत करना, तुम्हारी सौ गलतियां हो चुकी हैं। शिशुपाल अहंकारी था। श्रीकृष्ण के सचेत करने के बाद भी रुका नहीं और फिर एक और अपमानजनक बात कह दी। श्रीकृष्ण ने तुरंत ही अपने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का सिर धड़ से अलग कर दिया और सुदर्शन चक्र वापस श्रीकृष्ण की उंगली पर आ गया। उस समय चक्र की वजह से भगवान की उंगली पर चोट लग गई, खून बहने लगा। द्रौपदी ने श्रीकृष्ण की उंगली से बहते खून को देखा तो तुरंत ही अपनी चुनरी से एक टुकड़ा फाड़ा और श्रीकृष्ण की उंगली पर लपेट दिया। इसके बाद श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को वरदान दिया था कि वे समय आने पर इस पट्टी के एक-एक धागे का ऋण जरूर उतारेंगे। युधिष्ठिर और कौरवों के बीच जुआं खेला गया। जिसमें युधिष्ठिर द्रौपदी को हार गए। दुर्योधन के आदेश पर दुःशासन ने भरी सभा में द्रौपदी को ले आया और उसके वस्त्रों को खींचने लगा। उस समय द्रौपदी ने श्रीकृष्ण का ध्यान किया। श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी।

■ **मुकेश कुमार**

जादूगर शिवकुमार के मेजिक शो का एसडीएम सचिन यादव ने फीता काट किया शुभारम्भ एसडीएम व नायब तहसीलदार का जादूगर ने किया भव्य स्वागत सत्कार

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

बहरोड़। कस्बे में पोस्ट ऑफिस रोड़ पर स्थित विक्रम टॉकीज में चल रहे जादूगर शिवकुमार के मेजिक शो का गुरुवार को बहरोड़ एसडीएम सचिन यादव ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। जब से बहरोड़ में विश्व के महान जादूगर शिवकुमार की एंट्री हुई है तभी से पुरा बहरोड़ जादुई दुनिया की सैर करने में लगा हुआ है। क्षेत्र के लोगों में जादू शो के प्रति खासा उत्साह भी देखने को मिल रहा है।जादूगर शिव कुमार ने गुरुवार शाम अपने मेजिक शो के दौरान उपखंड अधिकारी सचिन यादव व नायब तहसीलदार उमेश शर्मा का फूल माला व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और कहा कि अतिथि देवो भवः हमारी संस्कृति का एक हिस्सा है और उसी के अनुसार हमारे मंच पर अतिथियों का सम्मान करने की परम्परा लंबे समय से चली आ रही है। इस दौरान एसडीएम यादव ने कहा की मेजिक शो सामाजिक संदेशों से भरा हुआ है,यह एक परिवारिक शो है जो समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ है।नायब तहसीलदार शर्मा ने कहा कि जादूगर शिवकुमार के मेजिक शो को सभी लोगों को देखना चाहिए ताकि जादू देखकर समाज की बुराइयों को मिटाना सिख सके। इस दौरान शिवा मेजिको के मैनेजर महेंद्र शर्मा,कोलकाता के जादूगर दिलीप वर्मा,मुंबई से आए जादूगर जे सन्नी,कोरियोग्राफर अरुण मेहता,मीडिया प्रभारी संजय बागड़ी सहित टॉकीज में बैठे सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे।

खेरली पुलिस थाना क्षेत्र से 18 माह पूर्व गुमशुदा हुई एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने किया दस्तयाब

मरूधर विशेष

खेरली। दिनेश लेखी। थाना पुलिस ने 18 माह पूर्व दांतवाड़ ग्राम से गुमशुदा हुई एक नाबालिग लड़की को दस्तयाब किया है।जानकारी अनुसार हेड कांस्टेबल झम्मन सिंह ने बताया है कि तीन मार्च 2021 को दांतवाड़ की एक नाबालिग लडकी की गुमशुदगी दर्ज हुई थी जिसकी लगातार खोजबीन की जा रही थी जिसे एक सितंबर शुक्रवार को सिकरावा जिला मेवात नूंह हरियाणा से दस्तयाब किया गया जहां से नाबालिक को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा नाबालिक को बालिका सुधार गृह भेजा गया है। जानकारी के लिए बता दे की दस्तयाब नाबालिग गुमशदगी के 18 माह बाद भी नाबालिक है। और उसने अपनी मर्जी से विवाह भी कर लिया है और उसके एक बच्चा भी है।

जल संसाधन मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीय को कम्प्युटर अनुदेशक भर्ती 2022 के पीड़ित अभ्यर्थियों ने उनके साथ हो रहे अन्याय को लेकर ज्ञापन सौंपा

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। आज कम्प्युटर अनुदेशक भर्ती 2022 के पीड़ित अभ्यर्थियों ने उनके साथ हो रहे अन्याय को लेकर ज्ञापन के माध्यम से माननीय जल संसाधन मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीय को अवगत करवाया कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा प्रक्रियाधिन कम्प्युटर अनुदेशक भर्ती 2022 में अनुसूचित क्षेत्र व गैर अनुसूचित क्षेत्र में सामान्य वर्ग के लिए समान रूप से न्युनतम अनिवार्य अंक 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति व अनुसुचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 35 प्रतिशत अनिवार्यता रखी गई है। अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थी ज्यादातर गरीब तबके के होने के कारण शिक्षा में अपेक्षाकृत गैर अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों के मुकाबले कमजोर हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विगत समस्त भर्तियों में अनुसूचित क्षेत्र व गैर अनुसूचित क्षेत्र की कट ऑफ में अत्यधिक अंतर होना है। साथ ही कम्प्युटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा के दिन तक भी इसके दोनों परीक्षा पत्रों में 40 प्रतिशत अंको की अनिवार्यता बोर्ड ने नही रखी थी और पुरा प्रदेश जानता है कि उक्त परीक्षा के प्रश्न का स्तर भी उच्च था। ऐसे में "अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों व गैर अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों की न्युनतम अंको की अनिवार्यता समान रखना किसी भी प्रकार से उचित नही है।"आपको बता दे कि टीएसपी क्षेत्र के नियम 2014 अलग है जिसके अनुसार न्यूनतम उत्तीर्णअंक का कोई प्रावधान नहीं है। फिर भी बोर्ड द्वारा अन्य सेवा नियम टीएसपी क्षेत्र पर थोपे जा रहे है। अभी कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती का परिणाम जारी हो चुका है, जिसमें टीएसपी क्षेत्र में कुल 888 सीटों में से केवल 196 अभ्यर्थी है सफल घोषित किये गए है। लगभग 700 सीटें अभी भी रिक्त है। बड़ी संख्या में पद रिक्त रहे है जिस वजह से टीएसपी क्षेत्र के अधिकतम विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। पदों में इतनी बड़ी रिक्तियां रहने का मुख्य कारण न्यूनतम उत्तीर्णअंक की बाध्यता है। अतः रिक्त पदों पर शिथिलता देकर एक और सूची जारी कर सम्पूर्ण सीटों पर नियुक्ति देनी चाहिए। वैसे भी टीएसपी क्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया है किंतु उस अनुसार सीटों में बढोत्तरी नही की गई है। और जो सीट आई है कम से कम वह तो पूर्ण रूप से भरनी ही चाहिए।

कमल मीणा को भाजपा एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के कस्बा हरसोरा निवासी कमल मीणा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के निर्देशानुसार अजा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा की अनुशंसा पर अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव ने अनुसूचित जनजाति मोर्चा में अलवर उत्तर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है । इस पर कस्बा हरसोरा में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। इस अवसर पर ईश्वर यादव पूर्व मंडल अध्यक्ष, कर्ण यादव, प्रदीप यादव पंचायत समिति सदस्य, हरि अहलावत, महेश रोहिला, महेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

मंत्री जूली ने भर्तृहरि मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की

मरूधर विशेष

अलवर । दिनेश लेखी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने शुकवार को बाबा भर्तृहरि महाराज मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर अलवर ग्रामीण विधानसभा, देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

मंत्री जूली ने बाबा भर्तृहरि महाराज के लक्खी मेले के आयोजन के अवसर पर श्रृद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेले व त्योहार आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के प्रतीक है। जो हमें एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि लोक देवता बाबा भर्तृहरि के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सौहार्द व भाईचारा कायम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मेले में प्रदेश ही नहीं वरन देश-विदेश के श्रृद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। इस दौरान मालाखेडा प्रधान वीरमति देवी ने कहा कि भर्तृहरि धाम में पंचायत समिति के माध्यम से 10 लाख रूपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे।

मेले में गुम हुई बालिका मिलने पर परिजनों के खिले चेहरे

मेले में श्रद्वालुओं की भीड़ के दौरान किशनगढ़ बास क्षेत्र के ग्राम नांगल मोजिया निवासी 3 वर्षीय बालिका खुशी अपने परिजनों से बिछड़ गई थी। मेला प्रबंधन में लगे स्वयंसेवकों ने बच्ची को कंट्रोल रूम पहुंचाया। वहां मंत्री जूली ने बच्ची के नाना किरोडीमल को बच्ची सुपुर्द की। नाना की गोद में जाते ही बच्ची का चेहरा खुशी से खिल उठा। इसके साथ ही सबके चेहरे पर खुशी की लहर आई। बच्ची के परिजनों ने जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान सरस डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर, उमरैण प्रधान दौलतराम जाटव, उपखण्ड अधिकारी मालाखेडा अनुराग हरित एवं उपखण्ड अधिकारी थानागाजी नवनीत कुमार, तहसीलदार कमल पचोरी, मेला कमेटी के अध्यक्ष पेमाराम सैनी, महेश सैनी, हजारी लाल मीणा, सुरेश मीणा, हिम्मत सिंह चौधरी, जगदीश मीणा,नंदलाल, अलाउद्दीन खान,समा खान, सीताराम सैनी,राजद्र बैरवा,अश्रु खान,धर्मराज मीणा, महद्र यादव, अर्जुन मीणा, सोनू मीणा, शिवचरण, पूरणमल मीणा,मदन नाथ महाराज, बच्चू सिंह चौधरी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित रहे।

बहरोड़-नीमराना को जिला बनाया जाना राठ का हक है इसको लेकर रहेंगे

जिला बनाओ संघर्ष समिति बहरोड

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़।बहरोड़ -नीमराणा को जिला बनाने के लिए 2 सितंबर 2022 शुक्रवार को प्रातः 10 बजे अहीर धर्मशाला बहरोड़ के सामने सर्वदलिये, सर्व समाज, सर्व सामाजिक संगठन एवं व्यापारिक मंडल द्वारा सामूहिक रूप से एकत्रित होकर एसडीएम ऑफिस पहुंच कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपखंड अधिकारी बहरोड़ को दिया गया ।

इस अवसर पर बहरोड नीमराना को जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक बस्तीराम यादव ने कहा बहरोड़ नीमराना जिला बनने के सभी मापदंड पूरा करता है जिसके लिए बहरोड़ नीमराना जिला बनाओ संघर्ष समिति पिछले 20 -25 वर्षों से संघर्षरत है जिसमें सभी राजनीतिक दलों ने सामाजिक संगठनों ने व्यापारिक मंडल ने एनजीओ ने शैक्षणिक संस्थाओं पत्रकारों ने अधिवक्ताओं ने संघर्ष किया है आगे भी सतत संघर्ष जारी रहेगा तथा बहरोड़ नीमराना को जिला बनाने के लिए रणनीति बनाकर संघर्ष को बहुत ही क्रियाशील बनाने के लिए आने वाली 5 तारीख को बहरोड में जिला बनाओ संघर्ष समिति की बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें आगे की रणनीति तैयार की जाएगी

इस अवसर सभी प्रतिनिधियों ने अपने अपने विचार रखें इस दौरान भाजपा जिला उत्तर अध्यक्ष बलवान सिंह यादव बहरोड़ प्रधान आदरणीय सरोज बस्तीराम यादव श्री ओम यादव, नीलम यादव भाजपा नेत्री, सुरेश यादव भाजपा नेता सुमित यादव यूनिक, डॉक्टर आरसी यादव, महेंद्र यादव नंदराम ओला, केजी कौशिक, राकेश मूछोंवाला, सुनील प्रवक्ता पार्षद, पार्षद राम नरेश यादव, नवीन यादव, राजाराम एडवोकेट, राजाराम मास्टर पूर्व सरपंच नीमराणा अशोक मुद्गल, संजय यादव, प्रदीप यादव, पूर्ण सिंह मेघवाल शोताज सरपंच संजय मीर, सुरेश भेडी सरपंच, वेद कृष्ण सरपंच, कृष्ण मीणा सरपंच, जोगेंद्र सिंह सरपंच, जगराम सरपंच, टिंकू सरपंच रिवाली तेज सिंह गंडाला लोकेंद्र यादव, सुरेश भाजपा, आर डी दोचानिया एडवोकेट, बुधराम चौधरी बड़ोद पार्षद टिंकू पार्षद मुकेश एडवोकेट, संजय बोहरा , सुरेंद्र एडवोकेट, जयपाल यादव मुकेश हमजापुर, परमीत सैनी, विक्रम यादव, रोहिताश गुर्जर, रमेश पार्षद रोहतास पार्षद, अमीलाल, सिकंदर यादव आदि हजारों की संख्या में बहरोड़ नीमराणा क्षेत्र से जनसमूह उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से उपस्थित लोगों ने बहरोड़ नीमराना को जिला बनाने की पुरजोर मांग की तथा गत 15 -20 साल से संघर्षरत क्षेत्रवासियों ने संकल्प लिया कि बहरोड़ नीमराना को जिला बनवा कर ही रहेंगे

बहरोड नीमराना को जिला बनाना हमारा हक है इसको लेकर रहेंगे

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने जोधपुर स्थित विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक ली

जोधपुर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए कार्य करने के साथ ही वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रमों को अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों की राजभवन के स्तर पर निर्धारित कार्ययोजना को भी विश्वविद्यालयों द्वारा शीघ्र क्रियान्वित किए जाने के निर्देश विश्वविद्यालय कुलपतियों को दिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने शुक्रवार को सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालयों की विशेष समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों को अपने मानकों के अनुरूप रिक्त पदों के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार स्तर पर भिजवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर आय सृजित करने के लिए भी प्रयास करे। इस सबंध में अपने स्तर पर कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर विशेष जोर देने के साथ ही विश्वविद्यालयो में युवा पीढ़ी को संविधान और उससे जुड़ी संस्कृति के प्रति भी जागरूक किए जाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने संविधान पार्क विकसित करने के लिए किए जा रहे कार्यों के बारें में भी जानकारी ली।

श्री मिश्र ने विश्वविद्यालयों में सोलर उर्जा, जल संरक्षण के लिए कार्य करने के साथ ही ग्रीन परिसर विकसित किए जाने के लिए किए जा रहे कार्यो के बारे में भी विशेष जानकारी ली।

विश्वविद्यालयों द्वारा गांव गोद लेकर उनके विकास के बारे में भी उन्होंने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से विशेष संवाद किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के तहत विश्वविद्यालय अपने स्तर ऐसे गांवों का चयन करे, जहां पर विकास की संभावनाएं हैं। उन्होंने गांवों में शिक्षा के प्रसार, मूलभूत सुविधाओं के विकास और राज्य तथा केन्द्र सरकार की योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किए जाने के लिए भी विश्वविद्यालयों को जागरूक कर कार्य करने की हिदायत दी।

शैक्षिक स्तर में आशातीत सफलता के लिए विश्वविद्यालयों का सर्वांगीण विकास आवश्यक

राज्यपाल श्री मिश्र ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की पीपीटी प्रेजेंटेशन तथा प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के प्रबंधन को सराहते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में पर्याप्त संसाधनों व उचित कार्य योजना के साथ कृषि शिक्षण क्षेत्र में समुचित उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने पुलिस विश्वविद्यालय के कुलपति की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों तथा विषम परिस्थितियों में भी इस विश्वविद्यालय का प्रदर्शन संतोषजनक है ।

समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय में ई-लाइब्रेरी, परीक्षाओं की तैयारी, विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा, रेड क्रॉस इकाइयों के गठन के संबंध में भी चर्चा की गयी।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के कुलपति ने इस दौरान अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए तो विद्यार्थी उत्सुक होते हैं परन्तु मूलभूत सुविधाओं के नहीं होने से बहुत सी समस्याएं हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर शहर से पांच किलोमीटर दूर होने, वहां चिकित्सा और अन्य सुविधाएं नहीं होने से प्रवेश के बाद विद्यार्थी रूकते नहीं है। उन्होंने विश्वविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं, परिवहन की समुचित व्यवस्था किए जाने और चिकित्सा सुविधा के विकास हेतु कार्य किए जाने के लिए आग्रह किया। इसके अलावा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने रिक्त पदों को भरे जाने, नव स्थापित एमबीएम विश्वविद्यालय और जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की परिसंपतियों के बंटवारे आदि पर भी चर्चा हुई।

बैठक में इससे पहले जोधपुर संभाग के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने विश्वविद्यालयों की प्रगति की प्रस्तुति दी गई ।

पुलिस विश्वविद्यालय एवं एमबीएम विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू किया

इसके साथ राज्यपाल एवं कुलाधिपति की उपस्थिति में सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय एवं एमबीएम विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू किया गया।

एमओयू के अंतर्गत पुलिस विश्वविद्यालय और एमबीएम विश्वविद्यालयों के मध्य शैक्षणिक तकनीकी, प्रशिक्षण और पाठ्यम अद्यतन से संबंधित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाएगा।

बैठक में कुलपति, पुलिस विश्वविद्यालय डॉ. आलोक त्रिपाठी, कुलपति,एमबीएम विश्वविद्यालय प्रो. अजय शर्मा, कुलपति, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय प्रो. के.एल.श्रीवास्तव, कुलपति,आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रो. अभिमन्यु कुमार तथा प्रमुख विशेषाधिकारी, राज्यपाल,डॉ. गोविन्द जयसवाल उपस्थित रहे।

दिल्ली में महंगाई पर हल्ला बोल रैली में व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे सेवादल के पदाधिकारी

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। 4 दिसंबर 2022 को दिल्ली में महंगाई पर हल्ला बोल रैली में व्यवस्था बनाये रखने हेतु सेवादल के प्रशिक्षण पदाधिकारियों मांगी गई सूची में प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों के राजेंद्र सिंह एडवाना, मोहनलाल हटेला, रामप्रसाद मीणा ,देशबंधु शर्मा ,मोहम्मद शफीक खान, भीमराज जाखड़, सुरेंद्र सिंह ,भीखा सुभाष स्वामी मास्टर, श्यामलाल शर्मा ,राहुल चौधरी, कमलेश रावल ,अलवर से डॉक्टर गिरवर सिंह नरूका पार्षद एवं प्रभारी दल जगत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल नरेंद्र बाटड़ ,समृद्धि दीक्षित , प्रकाश चौधरी, योगेश कुमार सोनी, ग्यारसी लाल सैनी ,अलवर जिले के जिला अध्यक्ष सेवादल कांग्रेस के एडवोकेट दुलीचंद मीणा ,विजय नागोरा, गिर्राज पंचोलिया, संदीप ओला, जितेंद्र भोजासर ,हरिराम ढाका ,नरेंद्र, वकील सांखला हनुमान व्यास, मंसाराम गरासिया, प्रह्लाद मीणा ,अलवर से सुरेश जागा महासचिव जिला कांग्रेस सेवादल, शंकर भामू , मोहिउद्दीन खान ,रामेश्वर शर्मा ,पोलिया आसिफ खान, खलीफा राकेश कुमार वर्मा, गोविंद सोनी यह 35 जो प्रशिक्षण प्राप्त हैं।

इनको राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशन पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के आदेश पर 3 तारीख को ही प्रात 11:00 बजे राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यालय 26 अकबर रोड नई दिल्ली पहुंचेंगे इन सभी के वीआईपी एडल्ट कार्ड बनाए जाएंगे और यह सभी लोग 4 तारीख को होने वाली दिल्ली में महंगाई पर हल्ला बोल रैली में व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे और राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखेंगे अलवर से केवल 3 व्यक्तियों का चयन किया गया है। बाकी 32 व्यक्ति ऑल राजस्थान के है।

भनोखर उप तहसीलदार मुकेश मेघवाल का स्थानांतरण होने पर हुआ विदाई समारोह

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। भनोखर उप तहसील से उप तहसीलदार मुकेश कुमार मेघवाल का स्थानांतरण तहसील कार्यालय हरसोली होने से गुरूवार को उप तहसील कार्यालय स्टाफ एवं ग्राम वासियों एवं क्षेत्रवासियों उप तहसील भनोखर द्वारा भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार उक्त कार्यक्रम में स्टाफ एवं क्षेत्रवासियों द्वारा साफा एवं माला पहनाकर के स्वागत किया गया साथ ही उपहार भी प्रदान किए गए लगभग एक साल के कार्यकाल में की गई प्रशासनिक सेवाओं से संतुष्टि एवं कार्य शैली एवं व्यवहार से मंत्रमुग्ध ग्रामीण वासियों ने उप तहसील कार्यालय भनोखर में कार्यरत मुकेश कुमार उप तहसीलदार को विदा किया गया। इस मौके पर में सुरजन मीणा सरपंच खेड़ा कल्याणपुर,अशोक प्रजापत पूर्व सरपंच भनोखर , इंजीनियर बनवारीलाल जोनवाल भनोखर,सुखराम मीणा भनोखर,हीरालाल जाटव,रामकिशन मीणा अतिरिक्त ऑफिस कानूनगो, मनीष तिवारी कनिष्ठ सहायक,उप सरपंच ग्राम पंचायत सालवाडी,डीड राइटर विजय शंकर शर्मा, स्टांप वेंडर जगदीश जाटव , विश्राम प्रजापत के साथ-साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों द्वारा विदाई समारोह में उपस्थित रहे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवाड़ा में भूगोल विषय का क्या शुभारंभ

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

मुंडावर। मुख्यमंत्री द्वारा की गई बजट घोषणा वर्ष 2022 23 के बिंदु संख्या 11 के अनुसरण संगलन सूची अनुसार 57 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त संकाय वह 20 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त विषय खोले जाने के तहत मुंडावर उपखण्ड छेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवाड़ा में ग्राम पंचायत राजवाड़ा के सरपंच रजनी मामचंद चौधरी सहित ग्राम वासियों के अथक प्रयास से गांव के विद्यालय में भूगोल विषय को जोड़ा गया । जिसका शुभारंभ 2 सितंबर 2022 को सरपंच प्रतिनिधि मामचंद चौधरी सहित ग्रामीणों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया सरपंच प्रतिनिधि मामचंद चौधरी ने बताया कि क्षेत्र के भूगोल विषय पढ़ने वाले विद्यार्थी राजकीय उच्च माध्य विद्यालय राजवाड़ा में दाखिला ले सकते हैं व विद्यालय में यह उसे जोड़ने से छात्र छात्राओं को काफी सुविधा होगी। ग्राम पंचायत सरपंच रजनी मामचंद व ग्राम वासियों के सहयोग से यह विषय विद्यालय में जोड़ा गया है । इस दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवाड़ा में हुए कार्यक्रम में भूतपूर्व सरपंच मोहर सिंह चौधरी , शिक्षाविद सज्जन सिंह चौधरी , शिक्षाविद जले सिंह चौधरी शिक्षाविद धर्मचंद पीटीआई जी , वीरेंद्र मेहरा ,कृष्ण कुमार , शसुंदर लाल , सहीराम , समाज सेवक किशोर लाल , बाबूलाल कप्तान , रामफल , राजू सहित अन्य सम्मानीय ग्रामीण जन व समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन आज, निशुल्क शिविर में देंगे परामर्श

उदयपुर। आज शहर में देशभर से इकट्ठे हुए 150 ज्योतिष शहरवासियों को निशुल्क परामर्श देंगे। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग और अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान की ओर से आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष शोध संगोष्ठी आज से शुरू हो रही है। संगोष्ठी में पहले 03 सितम्बर 2022, शनिवार को विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार, स्वर्ण जयंती अतिथि गृह में निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें लोग अपनी ज्योतिष विज्ञान से सम्बंधित समस्याओं का निराकरण प्राप्त कर सकेंगे।

सम्मेलन के संयोजक डॉ. मुरलीधर पालीवाल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो . आईवी त्रिवेदी करेंगे। मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद जयपुर के उपाध्यक्ष प्रो दरियाव सिंह चुंडावत, विशिष्ट अतिथि श्रीनाथजी मंदिर मंडल नाथद्वारा के अधिकारी पं. सुधाकर शास्त्री, प्रो सीआर सुथार, श्री मेवाड़ विजय पंचांग के गणितकर्ता पं . चंद्रशेखर शर्मा होंगे। आयोजन समन्वयक डॉ. जी. एल. पाटीदार ने बताया कि इस सम्मेलन में आम जनता के ग्रहों एवं खगोल के आधार पर शनिवार, 03 सितम्बर 2022 को दोपहर 02 से शाम 08 बजे तक निशुल्क परामर्श दिया जायेगा जिससे सरल उपायों द्वारा आम जनता की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। डॉ. अनिल स्वामी ने बताया कि संगोष्ठी में कई विषयों पर चर्चा की जाएगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से 04 सितंबर 2022 को दिल्ली रामलीला मैदान में मोदी सरकार के खिलाफ महंगाई और बेरोजगारी को लेकर हल्ला बोल रैली के लिए जिला कांग्रेस कमेटी अलवर ने दो चेक पोस्ट लगाई हैं

लोकेशन अलवर राजस्थान युवराज शर्मा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि हल्ला बोल रैली के लिए मानेसर एवं नौगांवा पर जिला कांग्रेस कमेटी अलवर ने चेकपोस्ट लगाई है, मानेसर चेक पोस्ट के लिए प्रदीप सिंह, रामस्नेही शर्मा, रिपु दमन गुप्ता, पंकज शर्मा, प्रीतम मेंदीरत्ता, मानवेंद्र सिंह, के. के. खंडेलवाल, सोनू गोपालिया, राजेश सैनी, नितिन धाकड़, मनीष कोली, रामअवतार मीणा, जय खुराडिया, नरेंद्र नरूका, शैलेंद्र अवस्थी को एवं नौगांवा चेक पोस्ट के लिए साजिद खान, अंकित गोयल, राजेश विरमानी, गोपाल जायसवाल, जेडी आर्यन, दुर्गा सिंह को नियुक्त किया गया है ।

सीएम अशोक गहलोत ओर प्रताप सिंह खाचरियावास हुए शामिल जयपुर पुलिस मुख्यालय में हुआ दीक्षांत परेड समारोह

मरूधर विशेष /महावीर सिंह चौहान

पुलिस उपनिरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर के संयुक्त बैच का दीक्षांत परेड समारोह शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित परेड ग्राउंड में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे। मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और परेड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अभिवादन किया गया व प्रशिक्षणार्थियों द्वारा शपथ ग्रहण एवं शस्त्र शपथ ली गई।

गहलोत ने इस अवसर पर श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर पुरस्कृत किया। पुलिस महानिदेशक एम एल लाठर ने प्रतिवेदन पेश करते हुए बताया कि उपनिरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर संयुक्त बैच 2021 में कुल 454 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने पुलिस बल को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री गहलोत ने गत वर्ष केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए घोषित किए गए पुलिस पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची में शामिल राजस्थान पुलिस के दो पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक तथा 19 अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान किए।

अतिरिक्त महानिदेशक तथा राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस में उप निरीक्षक (सीधी भर्ती) पद पर नियुक्त हुए उप निरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर के लिये पहली बार संयुक्त रूप से नौ सप्ताह का फाउंडेशन कोर्स राजस्थान पुलिस अकादमी में हुआ।

उन्होंने बताया कि कुल 433 प्रशिक्षणार्थियों ने 26 जुलाई 2021 से 23 सितम्बर, 2021 तक यह प्रशिक्षण प्राप्त किया। 22 प्रशिक्षणार्थियों ने दूसरे बैच में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उन?होंने बताया कि इन 455 प्रशिक्षणार्थियों में से 344 पुरुष तथा 111 महिला अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनमें से 259 प्रशिक्षणार्थी पूर्व से सेवा में थे, जिनमें 113 पुलिस कांस्टेबल, 35 पूर्व सैनिक, 25 अध्यापक तथा 83 अन्य विभागों में कार्यरत थे। उन्होंने बताया कि 196 प्रतिभागियों ने पहली बार किसी राजकीय सेवा में नियुक्ति प्राप्त की है। पासिंग आउट परेड के पश्चात सभी प्रशिक्षणार्थी व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए जाएंगे।

उपतहसीलदार को ज्ञापन सौंपा तालाबंदी की दी चेतावनी

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटड़ा ब्लॉक के विद्यालयों की हालत बहुत ही दयनीय है। देवला खंड में दिनांक 02/09/2022 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवला में एसडीएमसी के सदस्य एवं अभिभावक की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान विद्यालय में अध्यापक की कमी का मुद्दा गरमाया कक्षा 1ङ्क11 के छात्र ङ्कछात्राएं पर विधायक में सिर्फ 2 अध्यापक कार्यरत है जिसमे एक के पास बीएलओ चार्ज है एवं दूसरा प्रसूति अवकाश पर 6 महीने के लिए है तथा प्रतिनियुक्ति पर लेवल 1 के कुल पांच स्टाफ है जिसमे कक्षा 6ङ्क11 में कोई अध्यापक नही है इस विद्यालय में कक्षा 11 में 17 नामांकन है अभी तक पुस्तके भी नहीं मिली है। शिक्षको की कमी से जूझ रही विद्यालय में स्टाफ की कमी को पूरा करने एवं विद्यालय की मूलभुत सुविधाओ के लिए भी चर्चा चलाई गई। विद्यालय के बाहर सभी आकर अनिश्चित तौर पर छात्र छात्राएं, अभिभावक, समाज सेवी एवं समस्त ग्राम वासियों ने प्रदर्शन किया गया तथा विद्यालय से उपतहसील कार्यालय पर रैली के रूप में आकर जिला कलक्टर के नाम से उपतहसीलदार को ज्ञापन दिया। विद्यालयों की खस्ताहाल स्थिति को जल्द से जल्द नहीं सुधारने एवं उपरोक्त मांगे पूरी नहीं होने पर 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया। राजाराम गरासिया पूर्व जिला परिसर सदस्य ने जानकारी देते हुए बताया वास्तविक विद्यालयों की स्थिति दयनीय है। ज्ञापन में मुगलाराम एवं नेताराम ने चेतावनी देते हुए कहा कि दिनांक 12/9/2022 तक समस्त मांगे पूरी नहीं होने पर विद्यालय पर ताला लगाकर ह॥ 27 व देवला से कोटड़ा मार्ग रोक कर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन विभाग की रहेंगी। ग्राम वासियों ने पूर्व में भी इसके बाबत कई ज्ञापन दिए गए लेकिन अभी तक कोई समस्या का समाधान नहीं हुआ।

पिकअप ने मारी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर, ट्रैक्टर व ट्रॉली दोनों पलटे

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां- कामां डीग मार्ग पर गांव सेऊ से कामां आ रही एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से आ रही एक तेज गति अनियंत्रित पिकअप ने टक्क र मार दी जिससे ट्रैक्टर व ट्रॉली दोनों ही पलट गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे हालत नाजुक होने के कारण चिकित्सकों ने भरतपुर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार खोह थाना क्षेत्र के गांव सेऊ निवासी किसान ट्रैक्टर ट्रॉली में कपास लादकर कामां अनाज मंडी में बेचने आ रहे थे इसी दौरान कामां डीग मार्ग पर गांव इन्द्रौली के निकट पीछे से आ रही एक तेज गति अनियंत्रित पिकअप ने टक्कर मार दी जिससे में ट्रैक्टर व ट्रॉली दोनों ही पलट गए हादसे मे गॉव सेऊ निवासी हरि सिंह पुत्र उद्धू सहित कई लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए कामां अस्पताल भर्ती कराया गया हादसे में घायल हुए हरि सिंह की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे भरतपुर रैफर कर दिया शेष घायलों को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई।

कुश्ती दंगल आज,शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के प्रभारी अधिकारी नियुक्त

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां .भोजनथाली परिक्रमा मेला एंव कुश्ती दंगल को लेकर जिला कलक्टर की स्वीकृति के आदेश के शनिवार को कुश्ती दंगल मेले का आयोजन होगा जिसके लिए शुक्रवार को जिला कलेक्टर आलोक रंजन व एसपी श्याम सिंह ने कामसेन स्टेडियम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कुश्ती दंगल के सफल आयोजन के लिए उपखण्ड अधिकारी दिनेश शर्मा ने मातहत अधिकारियों व कर्मचारियों को अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी है।भोजनथाली परिक्रमा मेला महोत्सव में कुश्ती दंगल का आयोजन आज कोट ऊपर कामसेन स्टेडियम सुबह दस से शाम तक होगा। जिसको शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए प्रभारीअधिकारी नियुक्त किए गए है। जिसमें मेला मैदान पर कानून व्यवस्था एंव शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कामां थाना प्रभारी दौलत साहू को प्रभारी अधिकारी लगाया गया है। जानकारी के अनुसार कुश्ती दंगल के दौरान चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था रहेगी जिसके लिए करीब 2000 पुलिस कर्मियों का जाब्ता तैनात किया गया है कुश्ती दंगल स्टेडियम को सेक्टरों में विभाजित कर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है इस किया अलावा मुख्य मंच के पास कंट्रोल रूम तैयार किया गया है जिसमें प्रभारी सुरक्षा अधिकारी ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों की मदद से पल-पल की स्थिति पर नज़र रखेंगे मेला मैदान स्टेडियम पर तहसीलदार इन्द्राज गुर्जर व भू-निरीक्षक व हल्का पटवारियों को मेला स्टेडियम शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेगे। मेला स्टेडियम में बैरीकेटिंग की जिम्मेदारी सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता दुलीचंद को सौंपी गई है।भोजनथाली परिक्रमा मेला एंव कुश्ती दंगल में चौबीसो घन्टे पेयजल के टैंकर उपलब्ध कराने के लिए जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता राकेश शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दूसरी ओर मेडिकल टीम व एम्बूलैंस की जिम्मेदारी खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.के.डी.शर्मा को दी गई है। मेला मैदान में सफाई व शौचालय व्यवस्था एंव मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था नगर पालिका के सुनील मीणा को सौंपी गई है।

डीसीपी क्राइम से ही मांग ली घूस, एक कॉन्स्टेबल निलंबित, तीन पुलिसकर्मियों को किया गया लाइन हाजिर

राजस्थान के जयपुर में पुलिस के एक कांस्टेबल ने तीन साथियों के साथ मिलकर डीसीपी क्राइम से ही घूस मांग ली

क्राइम रिपोर्ट/महावीर सिंह चौहान

जयपुर । एडिशनल कमिश्नर कैलाश विश्नोई ने जयपुर सिटी में लगने वाली रात्रि नाकेबंदी का डिकॉय ऑपरेशन करने का प्लान बनाया था । इसके तहत डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने बीती रात कई जगहों पर सिविल ड्रेस पहनकर प्राइवेट गाड़ी से नियम भी तोड़े। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में रोटरी सर्किल पर डीसीपी नॉर्थ को रात डेढ़ बजे रोका गया। इस दौरान सादी वर्दी में डीसीपी के साथ उनका गनमैन और ड्राइवर भी था। कॉन्स्टेबल ने उनकी गाड़ी को रोका। ओवरस्पीडिंग और सीट बेल्ट नहीं लगाने के नाम पर ढाई हजार रुपये का चालान काटने की धमकी देने लगा।

कुछ देर बहस करने के बाद कॉन्स्टेबल राजेंद्र प्रसाद ने अपने अन्य तीन कांस्टेबल साथियों राजेंद्र सिंह, अशोक और राजीव के साथ मिलकर चालान नहीं काटने की एवज में 500 की अवैध वसूली कर ली। डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने घटना के बाद एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्नोई को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने पर अवैध वसूली करने वाले कांस्टेबल राजेंद्र प्रसाद को निलंबित करते हुए तीन अन्य पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया।

डिकॉय ऑपरेशन को अंजाम दिया गया

एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्नोई के बताया कि नाकेबंदी के दौरान अपराधियों पर नजर रखने और तेज स्पीड में गाड़ी चलाने वाले और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद इस तरह के डिकॉय ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। निलंबित किए गए और लाइन हाजिर किए गए पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। एसीपी आदर्श नगर को इस सम्बंध में जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

विषकन्या जोया का मायाजाल, विष कन्या जोया राजस्थान के भीलवाड़ा से गिरफ्तार

2 डॉक्टर भी चढ़े हत्थे, कई चेहरे और होंगे बेनकाब

रांग नंबर से फोन आया और डॉक्टर फंसा हनी ट्रैप में

आरोपी जोया उर्फ मोनिशा डेविड को पुलिस ने राजस्थान भीलवाड़ा से गिरफ्तार किया है

मरूधर विशेष/क्राइम रिपोर्ट/महावीर सिंह

देवास शहर के हाई प्रोफाइल हनी ट्रैप मामले में आरोपी जोया उर्फ मोनिशा डेविड को पुलिस ने राजस्थान भीलवाड़ा से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने आरोपी को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। देवास का नर्सिंग होम संचालक डॉक्टर हनी ट्रैप का शिकार हुआ था।

डॉ पवन कुमार चिल्लोरिया के 11 पन्ने के शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने 19 अगस्त को मुख्य आरोपी भीलवाड़ा निवासी जोया उर्फ मोनिशा डेविड के अलावा देवास के डॉक्टर संतोष दाभाड़े, डॉक्टर महेन्द्र गालोदिया के खिलाफ धारा 384,120 B के तहत केस दर्ज किया था।

पुलिस ने नर्सिंग होम संचालक डॉक्टर पवन कुमार चिल्लोरिया की शिकायत पर 19 अगस्त को राजस्थान भीलवाड़ा की जोया उर्फ मोनिशा डेविड, देवास के कैलादेवी रोड निवासी डॉक्टर संतोष दाभाड़े एवं टोंकखुर्द निवासी डॉक्टर महेंद्र गालोदिया के खिलाफ आईपीसी की धारा 384 और 120 बी के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

हसीनाओं के हुक्क के जलवे और उनकी अदाओं के हनी में ट्रैप होते ही ब्लैकमेलिंग और जबरिया वसूली का काला कारोबार शुरू हो गया। मामले में एक नर्सिंग होम संचालक डॉक्टर से एक हसीना (विष कन्या) और दो डाक्टरों ने मिलकर 9 लाख रुपए ऐंठ लिए। जब खेल यहीं खत्म नहीं हुआ तो डॉक्टर ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि उनके पास एक फोन आया जिसमें सामने महिला थी। उसने कहा आप डॉक्टर सिंघल बोल रहे हैं तो डॉ पवन चिल्लोरिया ने कहा नहीं। आपको यह नंबर किसने दिया तब महिला ने कहा मैं जोया बात कर रही हूं। डॉक्टर सिंघल से बात करना थी, लेकिन आपका नंबर लग गया। फिर दोबारा फोन आया और महिला बोली आपसे बात की तो लगा कि आप अच्छे इंसान हैं। आपसे दोस्ती की जा सकती है। बस यहीं से शुरू हुआ सिलसिला और उन्हें हनी के जाल में ट्रैप कर रुपए ऐंठ लिए। डॉक्टर के आवेदन पर पुलिस ने जांच शुरू की और शहर के तीन वकीलों को नोटिस जारी कर उनके भी बयान दर्ज किए गए है। माना जा रहा है कि अभी इसमें कई परतें खुलने बाकी हैं। मामले में परत दर परत कई चेहरे और बेनकाब हो सकते हैं।

एनटीटी संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल विष्णु शर्मा प्रदेश महासचिव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री OSD लोकेश शर्मा से मिले

ओएसडी लोकेश शर्मा ने इस मामले को जल्द संज्ञान में लेकर भर्ती पूरी करवाने का दिया आश्वासन

मरूधर विशेष/पुष्पेंद्र भारद्वाज

(1). एनटीटी भर्ती 2018 मे महिला एवं बाल विकास विभाग ने भर्ती नियमों की अनदेखी करते हुए निजी कॉलेज गीता बजाज मोती डूंगरी जयपुर 53 अभ्यार्थियों को गलत तरीके से जॉइनिंग दे दी गई जो की (एनसीटीई) से एनटीटी है ही नहीं जो कि प्री प्राइमरी कोर्स है जो की एनटीटी के समकक्ष भी नहीं है गीता बजाज कॉलेज के 53 अभ्यार्थियों को आधार बनाकर अन्य राज्य के अपात्र अभ्यार्थी भर्ती में प्रवेश कर रहे हैं महिला एवं बाल विकास विभाग की इस गलती के कारण राजस्थान के पात्र एनटीटी अभ्यर्थी बाहर हो रहे हैं इसलिए गीता बजाज के अभ्यर्थी को इस भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जाए या फिर उनके लिए अलग से अतिरिक्त पद सृजित करे

(2) एनटीटी कोर्स 2011 में बंद होने के कारण नई भर्ती आने की संभावना नहीं है राज्य में TSP अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं है 200 के आस पास रिक्त सीट है अतः इन सीटों को नॉन TSP से भरा जाऐ ये 2012 से रिक्त चली आ रही है कोर्स बंद होने के कारण आगे भविष्य में एनटीटी अभ्यर्थी TSP मे नहीं मिलेंगे नॉन TSP में सीटों को भरने से राज्य के बेरोजगार अभ्यार्थियों को रोजगार मिल सकेगा। (3) एनटीटी भर्ती परीक्षा 2018 में राज्य के लगभग 1350 अभ्यर्थी शेष थे 24000 हजार से अधिक आवेदन आए एनटीटी भर्ती 2018 में 839 को नियुक्ति दी जा चुकी है शेष अभ्यर्थीयों की सत्यापित जांच एक साथ ही करवा ली जाए जिससे विभाग को दस्तावेज जांच हेतु बार-बार सूची जारी नहीं करनी पड़े जिससे भर्ती समय पर पुरी हो सके

(4) एनटीटी भर्ती 2012 में लगे हुए शिक्षक को एनटीटी भर्ती 2018 में पुनः शामिल होने की अनुमति नहीं दी जिसके कारण वह कोर्ट में चले गए महिला एवं बाल विकास विभाग कोर्ट में अच्छे से पैरवी करते हुए उनकी याचिका खारिज करवाया जाये जिससे बेरोजगार अभ्यार्थियों को रोजगार मिल सके

(5). महिला बाल विकास ने दस्तावेजों की जांच हेतू तीसरी सूची 15/12/2021 को जारी की गई जिसमें नॉन TSP की 309 सीट रिक्त थी लेकिन विभाग ने 207 पर ही सूची जारी की गई उसमे 102 सीटों को जोड़कर संशोधित सूची जारी करवाने की कृपा करें ।

तिजारा शनि बालाजी महाराज मंदिर के पांचवें स्थापना दिवस पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा छीपट वाड़ा मोहल्ला नंबर 3 स्कूल के पास शनि हनुमान मंदिर पर सुबह भगवान शनिदेव की पूजा अर्चना वह चोला अर्पण कर भगवान को भोग लगा कर भंडारे का आयोजन किया गया पार्षद अनिल बंसल ने बताया भंडारे में कस्बे के हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इस समय कार्यकर्ता के रूप में बिजी बंसल रजनीश शर्मा नरेंद्र गुप्ता भारत भूषण शर्मा राजेश जोशी विनोद सैनी अनिल बंसल हरिराम सैनी सुभाष बंसल अनूप बंसल जस्सू महाराज संजय सैनी वीरेंद्र जोशी आदि लोगों ने अपना सहयोग प्रदान किया कार्यकर्ता सुबह से ही भंडारे की व्यवस्था में लगे हुए थे इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन झब्बू राम सैनी राजेश चेयरमैन जेपी प्रधान पंचायत समिति तिजारा शिवचरण सैनी राजेश कसाना विष्णु दत्त शर्मा अजय यादव राज यादव गुल्लू यादव विनोद सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

इनडोर स्टेडियम खुलवाने की मांग को लेकर जिला खेल अधिकारी को दिया गया

लोकेशन अलवर राजस्थान रुपेश शर्मा

भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तरुण जैन के नेतृत्व में इंडोर स्टेडियम खुलवाने की मांग को लेकर जिला खेल अधिकारी को ज्ञापन दिया गया

मंडल अध्यक्ष मनोज चौहान ने बताया कि सांसद कोटे के निधि कोष से द्वारा लगभग 6 करोड़ की लागत से इंदिरा गांधी स्टेडियम में इंडोर स्टेडियम का निर्माण करवाया गया परंतु राज्य सरकार की नाकामियों के चलते आज अलवर का युवा इंदौर स्टेडियम की सुविधाओं से वंचित है युवा मोर्चा जिला मंत्री मयंक खंडेलवाल ने बताया कि कई सालों से निर्मित इंदौर स्टेडियम नियमित रूप से नहीं चल पा रहा इसमें जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए ज्ञापन के दौरान मंडल महामंत्री नंदू बना ,जिला पार्षद गगनदीप सिंह ,मोहन चौहान भाविक जोशी, अमित कश्मीरी, ललित दिनेश शर्मा, लोकेश भडाना ,लखन शर्मा ,रजत ठाकुरिया, चतर गुर्जर ,साहिल खत्री जतिन छाबड़ा ,सुमेर चौधरी दिनेश शर्मा अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बसेठ उप स्वास्थ्य केंद्र पर खराब पड़ी सिंगल फेस बोर लाइन को सरपंच प्रतिनिधि ने बिजली कर्मियों को मौके पर बुलाकर किया निस्तारण

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के ग्राम बसेठ में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पर विधायक कोटे से एक सिंगल बोरवेल लगा हुआ है। लेकिन शोर्ट सर्किट के कारण उपकरणो की बिजली लाईन जलकर खराब हो गयी थी। जिसके कारण पानी की सप्लाई चालू नही थी लोगों परेशान का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुये सरपंच प्रतिनिधि विशम्भर चौधरी ने उप स्वास्थ्य केंद्र पर बिजली कर्मियो को मौके पर बुला कर सिंगल फेस बोरवेल की बिजली लाईन नई लगाई गई। जिसके कारण समस्या का निस्तारण हुआ। इस मौके पर बसेठ सरपंच प्रतिनिधि विशम्भर चौधरी, कठूमर ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी प्रहलाद जाटव, सीएचओ पिंकी मीणा, एएनएम रचना जाटव, सुपरिया राठी, संतोष कैरव, जगदीश जाटव, मदन जांगिड, निहाल सिंह, महेश शर्मा, सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गणेश मंडलो की बैठक आयोजित

कुशलगढ से अरूण जोशी कि रीपोर्ट

कुशलगढ। गणेश उत्सव को लेकर शुक्रवार को उपखंड कार्यालय परिसर में तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं पुलिस उप अधीक्षक बलवीर सिंह मीणा की उपस्थिति में गणेश मंडल के सदस्य, सीएलजी एवं पुलिस मित्र के सदस्य की बैठक आयोजित की गई। जिसमें गणेश उत्सव पर नगर में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने, सडक़ों की मरम्मत का कार्य, विसर्जन के लिए नदी किनारे गड्ढे का निर्माण आदि को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस उप अधीक्षक बलवीर सिंह मीणा ने कहा कि विसर्जन के समय बच्चों को नदीं, तालाब के किनारे न जानें दें। किसी भी विवादित स्थान पर मूर्तियां न रखें। पंडालों में प्रतिमा की स्थापना और बरसात से सुरक्षा के लिए भी व्यवस्था करें। सभी मंडल के सदस्य को बताया कि रात्रि में आप अपना कोई भी सदस्य को मूर्ति कि सुरक्षा के लिए रखे। मूर्ति विसर्जन दिन दिन में ही हो ऐसा सभी मंडल मिलकर काम करें। बैठक में लखपति गणेश मंडल,गणेश सेवा मंडल,बिंदास बाबा ग्रुप,तिलक नव युवक मंडल,श्री राम नव युवक मित्र मंडल,श्री सिद्धि विनायक नव युवक मंडल गांधी चोक,पार्षद राहुल सोनी, राहुल भोई, हर्षवर्धन पंड्या,आदित्य व्यास पत्रकार अरुण जोशी,पवन राठौड़ सहित गणेश मंडलो के सदस्य एवं सीएलजी के सदस्य मौजूद रहे।